मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 6

MHD–02

हिंदी मे स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. ए. हिंदी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

एम.एच.डी.–02 : आधुनिक हिंदी काव्य

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* **चार** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 3×12=36

(क) जनता पर जादू चला राजे के समाज का
लोक–नारियों के लिए रानियाँ आदर्श हुईं
धर्म का बढ़ावा रहा धोखे से भरा हुआ
लोहा बजा धर्म पर, सभ्यता के नाम पर
खून की नदी बही
आँख–कान मूँदकर जनता ने डुबकियाँ लीं।

(ख) तुंग हिमालय के कंधों पर
छोटी–बड़ी कई झीलें हैं,
उनके श्यामल नील सलिल में
समतल देशों से आ–आकर
पावस की ऊमस से आकुल
तिक्त–मधुर विषतंतु खोजते
हंसों को तिरते देखा है
बादल को घिरते देखा है।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ग) एक पीली शाम

पतझर का जरा अटका हुआ पत्ता

शांत

मेरी भावनाओं में तुम्हारा मुखकमल

कृश म्लान हारा–सा

(कि मैं हूँ वह

मौन दर्पण में तुम्हारे कहीं ?)

(घ) बेहतर है कि जब कोई बात करो तब हँसो

ताकि किसी बात का कोई मतलब न रहे

और ऐसे मौकों पर हँसो

जो कि अनिवार्य हों

जैसे गरीब पर किसी ताकतवर की मार

जहाँ कोई कुछ कर नहीं सकता

उस गरीब के सिवाय

और वह भी अक्सर हँसता है।

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ङ) एक आदमी

रोटी बेलता है

एक आदमी रोटी खाता है

एक तीसरा आदमी भी है

जो न रोटी बेलता है,

न रोटी खाता है

वह सिर्फ रोटी से

खेलता है।

2. छायावाद की प्रमुख विशेषताओं के आधार पर 'कामायनी' का मूल्यांकन कीजिए। 16

3. 'राम की शक्तिपूजा' के ऐतिहासिक संदर्भ पर प्रकाश डालते हुए इस कविता के संवेदनात्मक उद्देश्य को स्पष्ट कीजिए। 16

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

4. अज्ञेय द्वारा रचित कविता 'असाध्य वीणा' की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए। 16

5. " 'परिवर्तन' कविता को समालोचकों ने एक 'ग्रैंड महाकाव्य' कहा है।" आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं ? सोदाहरण उत्तर दीजिए। 16

6. "मुक्तिबोध की कविताएँ अपने युग की बड़ी बुराइयों पर तीखा प्रहार करती हैं।" सतर्क उत्तर दीजिए। 16

7. "रघुवीर सहाय मूलतः स्वाधीन चेतना के कवि हैं।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। 16

8. "धूमिल की कविताएँ स्वातंत्र्योत्तर भारत में घटित प्रहसन की पटकथा हैं।" आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए। 16

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

9. “जिन्दगी का अभाव और संघर्ष ही नागार्जुन के काव्य-संसार की जलवायु है और विक्षोभ उनकी कविता का केन्द्रीय स्वर।” इस कथन के आलोक में नागार्जुन के काव्य-स्वर पर विचार कीजिए। 16

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com